Total No. of Printed Pages—4

5 SEM TDC DSE HND (CBCS) 1 (H)

2025

(Nov/Dec)

HINDI

(Discipline Specific Elective)

(For Honours)

Paper : DSE–1

(असमीया भाषा एवं साहित्य)

Full Marks : 80
Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) असमीया भाषा की लिपि क्या है?

(ख) असमीया साहित्य का आदिकाल कब-से-कब तक माना जाता है?

(ग) श्रीमंत शंकरदेव के गुरु कौन थे?

(घ) 'नामघोषा' किसकी रचना है?

(ङ) शंकरदेव के 'बरगीतों' की कुल संख्या कितनी मानी जाती है?

(च) 'परम तृष्णा' का रचनाकार कौन है?

(छ) सैयद अब्दुल मलिक किस मंच से निकले हुए कहानीकार हैं?

(ज) मि० पियेनार किस कहानी के मुख्य पात्र हैं?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) असमीया भाषा के विकास में आर्येतर भाषाओं का क्या योगदान रहा है?

(ख) 'चर्यागीत' पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ग) 'कीर्तनघोषा' का परिचय दीजिए।

(घ) माधवदेव के 'बरगीतों' की क्या विशेषता है?

(ङ) असमीया साहित्य के विकास में 'जोनाकी' पत्रिका का क्या योगदान है?

(च) असमीया कहानी में सैयद अब्दुल मलिक के योगदान को रेखांकित कीजिए।

(छ) 'जनमभूमि' कविता के माध्यम से नलिनी बाला देवी क्या कहना चाहती हैं?

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) मन आयु क्षणे क्षणे टूटे।
देखु प्राण कोन दिने छूटे॥
मन काल अजगरे गिले।
जान लिलेके मरण मिले॥
मन निश्चय पतन काया।
तइ राम भज तेजि माया॥

(Continued)

अथवा

रजनी बिदूर दिश धवली वरण।
तिमिर फारिया बाज रविर किरण॥
शत पत्र किकशित भ्रमर उड़ाय।
ब्रज वधू दधि मथे तुवा गुण गाय॥

(ख) आहिछे मानुह गइछे मानुह
मानुह मयापी जीव।
मानुह सौंतर अंत नइकिया
वुलिले मरम किय।
मानवी जनम दियाँ उंटवाइ
मानवी करम सोंते।
मानुहर मरम बुजिबा मानुहे
धरम जे मरमते।

अथवा

मेलिलों प्रथम चकु
तोमार कोलाते आइ,
जनमर आदिम पुवात
मुदिम आकौ चकु,
तोमार कोलाते शुइ
जीवनर शेष संधियात।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) असमीया भाषा के उद्‌भव और विकास पर विस्तारपूर्वक लिखिए।

(ख) चंद्रकुमार अगरवाला का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(Turn Over)

(ग) असमीया साहित्य के विकास में लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ के योगदान को रेखांकित कीजिए।

(घ) श्रीमंत शंकरदेव का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ङ) 'गह्वर' कहानी का सारांश लिखिए।

(च) कहानी-कला के आधार पर 'मरम मरम लागे' कहानी की समीक्षा कीजिए।

★★★